भारतीय स्त्री शक्ति
स्थापना : 1988

भारतीय स्त्री शक्ति

वार्षिक कार्यवृत्त
2022-23

ଆର୍ନ୍ତଜାତୀୟ ମହିଳା ଦିବସ ପାଳନ

International Women's Day Celebration

Organised by :

SWAR

Strong Women Association for Reformation

Affiliated to : Bharatiya Stree Shakti

&

WCSW

Women's Council For Socio Economic Welfare

INNOVATION AND TECHNOLOGY FOR GENDER EQUA

Date : 14th Mar 2023 | Place : Bhubaneswar, Odisha

Stree Shakti has done it!
India wins Women's U19 T20
World Cup title! beats England!
Heartiest Congratulations

BHARATIYA STREE SHAKTI
www.bharatiyastreeshakti.org

डॉ.आंबेडकर जयंती-१४ अप्रैल १८९१

किसी समुदाय की प्रगति महिलाओं की प्रगति से आंकी जाती है।'
- डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर

भारतीय स्त्री शक्ति
www.bharatiyastreeshakti.org

व्होकल फॉर लोकल

महिला उद्योजिका मेळावा व प्रदर्शन

'अर्थ--संगिनी'

दोन दिवस
२७ व २८
डिसें.२०२२

सकाळी ९ ते रात्री ९ पर्यंत
प्रदर्शनाची वेळ

सणासुदीच्या दिवसांत आपल्याला उपयुक्त अशा सर्व वस्तू तसेच घरगुती पदार्थ एकाच ठिकाणी उपलब्ध

उद्योजिका प्रदर्शनी व विक्री

- कॉटन साड्या/ड्रेस
- संक्रांतीसाठी वस्तू
- शोभेच्या/भेट वस्तू
- ज्यूट बॅग्स
- ड्रेस मटेरियल
- पोट पूजा
- लोणचे/पापड
- पूजा साहित्य

भारतीय स्त्री शक्ति
स्थापना १९८८

भारतीय स्त्री शक्ति (मुंबई)

नवरात्री- स्त्री सशक्तीकरण का उत्सव

" लडका लडकी एक समान, घर हो या हो मैदान "

भारतीय स्त्री शक्ति

वार्षिक कार्यवृत्त
2022-23

भारतीय स्त्री शक्ति

रजि. सा.न्या.पं.क्र. F14899 मुंबई, 1991,
संस्था पं.क्र. 545/1991 GBBSD
4, गिरीश, कटारिया मार्ग, माहीम, मुंबई 400016
दूरध्वनी : 022-24376441 / Mob.: 9004668967
Email: bharatiyastreeshakti@gmail.com
Web Site: www.bharatiyastreeshakti.org

Cheque to be drawn in the name of
"Bharatiya Stree Shakti
IT Exemption under sec **80 G - URN AAATB0005GF20210**

Donors are requested to provide their complete Address,
Pan, Mob No. and Email Id as per IT Rules.

भारतीय स्त्री शक्ति

वार्षिक कार्यवृत्त २०२२-२३

भारतीय स्त्री शक्ति संगठन ने स्थापना से लेकर आज तक 35 वर्षों का सफर तय किया है। संगठन की स्थापना 15 मई 1988 को हुई, तथा पंजीकरण अगस्त 1991 में हुआ। संगठन भारत के 9 राज्यों में कार्यरत है, जिनमें 40 शाखाएँ तथा 26 संपर्क स्थान सम्मिलित हैं। कार्य की सुचारू रूप से रचना हो इसलिये विभिन्न प्रांतो में अलगअलग नाम से संस्था पंजीकरण किया गया है, जो भारतीय स्त्री शक्ती से संलग्न है। अभी तक संगठन के 3 राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न हुए है। 2007 गोवा, 2013 इंदोर, 2018 नागपूर। प्रांतश: अधिवेशन भी आयोजित किये गये हैं। भारतीय स्त्री शक्ति की धारणा है की राष्ट्रीय एवम सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं की सहभागिता अनिवार्य है। भारतीय स्त्री शक्ति संगठन की परिकल्पना और लक्ष्य निम्नलिखित सूत्रों से जाने जा सकते हैं।

परिकल्पना

- महिलाओं की जन्मजात शक्तियों, गुणों और क्षमताओं को पुनः स्थापित करना
- परिवार और समाज में महिलाओं की गरिमा और बराबरी का दर्जा सुनिश्चित करना
- एक लैंगिक-न्यायपूर्ण समाज की परिकल्पना करना, जो सभी स्तरों पर भेदभाव का उन्मूलन सुनिश्चित करता है। परिवार और राष्ट्र-निर्माण में नारी के योगदान और भूमिका को मान्यता देता है।

लक्ष्य

- महिलाओं को सशक्त बनाने और पुरुषों को संवेदनशील बनाने के लिए अनुकूल माहौल बनाना
- पितृसत्तात्मक सामाजिक संरचनाओं द्वारा जारी शोषणकारी मजबूरियों के विरुद्ध समानता, न्याय और कार्यवाही के लिए मिलकर काम करना
- समाज के सबसे निचले पायदान पर मौजूद अंतिम महिला तक पहुंच पाना

इसी प्रयोजन से प्रेरित होकर हमारी प्रत्येक इकाई, नारी के सम्मान को,

उसके गुणों एवं क्षमताओं को पुन:स्थापित करने का प्रयास कर रही है।

''भारतीय स्त्री शक्ति की सैद्धांतिक भूमिका शिक्षा, स्वास्थ, आर्थिक स्वावलंबिता, समानता और आत्मसम्मान इस पंचसूत्री में निबद्ध है। इन्हीं सूत्रों के आधारपर नारी समस्याओं का समाधान करना तथा उसके अंतर की शक्ति उजागर करना भारतीय स्त्री शक्ति का ध्येय है। इन उद्देश्यों की पूर्ती हेतू भारतीय स्त्री शक्ती रचनात्मक कार्यक्रम प्रकल्प तथा आंदोलन के माध्यम से कार्य करती है।। वर्ष 2022–23 में कई गतिविधियां क्रियान्वित की गयीं। उनका संक्षिप्त ब्यौरा आपके सम्मुख रखा जा रहा है।''

शिक्षा

महिलांओं का शिक्षित होना उनके सशक्तीकरण और समाज के उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बालिकाओं को शिक्षा हेतू अनुकूल वातावरण तथा सुविधायें मिलती रहें इसके लिये भारतीय स्त्री शक्ति ने हमेशा से प्रयास किया है।

जिन छात्राओं की आर्थिक स्थिती अच्छी नहीं है, उनकी शिक्षा किसी कारण रुक न जाये इस हेतू सुकन्या विद्यानिधी यानी FUND HER EDUCATION उपक्रम द्वारा शिक्षा के लिए मदद दी जाती है। यह गतिविधी कई वर्षों से निरंतर चलती आ रही है। महाराष्ट्र में मुंबई, पुणे, नागपूर, चिपळूण स्थित कई स्कूलों में ऐसी छात्राओं की परीक्षा फीस की राशी की व्यवस्था की गयी। लगभग 200 छात्राए इस राशी से लाभान्वित हुई हैं। साथ ही पढाई की अन्य सामग्री भी वितरित की गयी। इन छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के हेतू विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

किशोरावस्था के बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा देने हेतू किशोर–किशोरी विकास प्रकल्प तथा कली जब खिलती है जैसे कार्यक्रमों का आयोजन होता है। इनमें किशोरावस्था के कुछ प्रश्नों और उनके समाधान के बारे में चर्चा की जाती है। महाराष्ट्र की मुंबई, पुणे, डोंबिवली, नागपूर, अमरावती, लातूर, ठाणे, धुळे,नाशिक, यवतमाळ इत्यादि शाखाओ के अलावा केरल की कई स्कूलों में ऐसे कार्यक्रम निरंतर चलाये जाते है।

इस वर्ष अहमदाबाद (गुजरात), झाबुआ (मध्यप्रदेश), जयपूर (राजस्थान), केरल में किशोरी जीवन कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कई

अनूठे उपक्रम चलाये गये। जिनमें अध्यापक, समुपदेशकों ने लडकियों से कौशल विकास तथा व्यक्तित्व विकास के बारे में समय समय पर पथ–प्रदर्शन किया। साथ ही बस्तियों में जाकर लडकियों को पढाना, संस्कार वर्ग चलाना उनके लिए मेहंदी, चित्रकला, नृत्य एवं वक्तृत्व प्रतियोगिता का आयोजन इत्यादि अभियान बहुत सफल रहे। नांदेड में स्कूली लडकियों के लिए करिअर संबंध मार्गदर्शन किया गया। बोरीवली (मुंबई) में 4 स्कूलों में व्यसन और तनाव मुक्त जीवन विषय की चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। नागपूर तथा मुंबई में बालगृह की लडकियों के लिए शिबिर लिया गया। जिसमे योग, प्राणायाम, हस्ताक्षर सुधार, हस्तकला जैसे विषय अंतर्भूत थे।

यूं तो शिक्षा एक ऐसी क्रिया है जो अविराम चलती रहती है। जीवन का हर पडाव सुचारु रूप से पार करने के लिये अलग अलग कौशल अर्जित करने पडते हैं। भारतीय स्त्री शक्ति ने विभिन्न तरीके अपनाये और महिलाओं में सीखते रहने की चाह को प्रज्वलित रखा।

यह पाया गया कि बहुतसी महिलायें व्यवसायी हैं। छोटे पैमाने पर अपने हाथों से बनाये गये उत्पाद बेचकर वे गृहस्थी चलाती हैं। घरेलू उद्योगों में जुटी ऐसी बहनों का हौसला बढाने के लिये बोरीवली (मुंबई) की हमारी कार्यकर्ताओंने उद्योग जगत् की नयी पहचान नामक एक विशेष पाठ्यक्रम नियत किया। पूरे वर्षभर चले इस प्रशिक्षण में बडे उत्साह से महिलाएं सहभागी हुई। जानीमानी महिला उद्यमियोंने कारोबार को सफलता से चलाने के कई नुस्खे उनसे साझा किये। समय प्रबंधन, व्यवसायिक ढांचा, महिला उद्यमियों के लिये बनी सरकारी योजनायें आदि अनेक बारीकियों से नव व्यवसायी बहनों को अवगत कराया गया। इन बहनों के उत्पादों की जानकारी अधिक लोगों तक पहुंच पाये इस उद्देश्य से दो बार प्रदर्शनियों का आयोजन भी किया गया। इस प्रयास को ना सिर्फ व्यवसायी बहनोंने बल्की बोरिवली के नागरिकों ने भी बहुत सराहा। इस प्रकार का अडव्हान्स कोर्स भी चलाया जावे ऐसी मांग इन बहनोंने की है। इसे पूर्ण करने के लिये भारतीय स्त्री शक्ति की बोरीवली कार्यकर्ता कटिबद्ध हैं।

वर्तमान युग का अहम आयाम है, डिजिटल व्यवहार। स्मार्ट फोन, कम्प्यूटर की सहायता लेकर बदलते जीवन के साथ कदम मिलाकर चलना बहुत आवश्यक है। भारतीय स्त्री शक्ति ने समय की इस पुकार को अच्छी तरह समझा है। **डिजिटल स्त्री शक्ती** यह उपक्रम गये कुछ वर्षो से भारतीय स्त्री शक्ती चला रही है। नांदेड

की कार्यकर्ता बहनोंने अध्यापकों के लिये **डिजीऑल** प्रशिक्षण अभियान चलाया। इस कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारी भी सम्मिलित हुए थे।

स्वास्थ

जागतिक स्वास्थ्य संगठन के अनुसार शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक तथा आत्मिक स्वास्थ्य ही स्वस्थ मनुष्य का परिचायक होता है। स्वास्थ्य बना रहने पर ही प्रत्येक व्यक्ति आनंदमय और सुखमय जीवन यापन कर सकता है। कई सामाजिक विवशताओं के कारण महिलायें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती हैं। परिणामस्वरुप वे अस्वास्थ्य की शिकार बन जाती हैं। शारीरिक दुर्बलतावश वे मानसिक शक्ति भी खो बैठती हैं। भारतीय स्त्री शक्ति ने नारी सक्षमीकरण के प्रयास में उसके आरोग्य के महत्व को भली भांती समझा है। महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागृती निर्माण करना, स्वास्थ्य प्राप्ति की उपलब्धता पर गौर करना, स्वास्थ्य परामर्श की व्यवस्था प्रदान करना आदि लक्ष्य निर्धारित कर यह संगठन विगत कई वर्षों से गतिविधियों का आयोजन करता रहा है।

कोविड महामारी के चंगुल से मुक्त होकर महिला स्वास्थ्य का नये सिरे से विचार करना गत वर्ष की चुनौती थी। भारतीय स्त्री शक्ति की कार्यकर्ताओंने बडी समझदारी से अपने अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य जागृती चर्चाओं का माहौल बनाये रखा। भारतीय स्त्री शक्ति स्थापना दिवस, सावित्रीबाई फुले जयंती और आंतरराष्ट्रीय महिला दिन के उपलक्ष्य में इन कार्यक्रमों का आयोजन करनेवाली हमारी कार्यकर्ता निश्चित ही सराहना के योग्य हैं। इन स्वास्थ्य सत्रों में कॅन्सर, अवयव दान व अवयव प्रत्यारोपण, प्राथमिक चिकित्सा, प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकार, माहवारी संबंधी समस्यायें, निजी स्वच्छता, वृद्धावस्था से जुडी कठिनाइयां, स्वास्थ्य रक्षा से जुडी आदतें जैसे अनेक महत्वपूर्ण पहलूओं की जानकारी दी गयी। महाराष्ट्र के मुंबई, पुणे, नागपूर, अमरावती, धुळे, नाशिक, सांगोला, डोंबिवली, जयपूर (राजस्थान), तालाब टिल्लों (कश्मिर) इन इकाइयों में स्थानीय आवश्यताओंको केंद्रस्थान रखकर यह स्वास्थ्य – भान अभियान चलाया गया।

गरीब परिवारों को अच्छा इलाज दिलाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने **आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड या आभा** (ABHA) कार्ड हर भारतीय के लिए उपलब्ध कराया है। सांगोला की कार्यकर्ताओं ने इस डिजिटल हेल्थ आईडी, जो चिकित्सा यात्रा को डिजिटल और आसान बनाने पर केंद्रित है, की विस्तृत

जानकारी महिलाओं तक पहुंचाई।

चंडीगढ, जोधपूर, नागपूर, नांदेड, सांगोला, डोंबिवली, पिंपरी चिंचवड, तालाब टिल्लों (कश्मिर) इन स्थानों की कार्यकर्ताओंने मेडिकल कॅम्प का आयोजन किया। इस माध्यम से बहनों के स्वास्थ्य की जांच की गयी। रक्त का परिक्षण, डायबिटीस, रक्तचाप की स्थिती आदि की जानकारी मिल सकी। साथ ही जरुरतमंद बहनों को सॅनिटरी नॅपकिन, आवश्यक दवाइयां भी वितरित की गयीं। देहाती महिला, आंगनबाडी कर्मचारी, 4 से 16 वर्ष आयु की छात्र – छात्रायें, महिला हॉस्टल एवम वृद्धाश्रम के निवासी, गृहिणियों को उपरोक्त गतिविधियों से बहुत लाभ हुआ।

पौष्टिक भोजन के सेवन से स्वास्थ्य की रक्षा की जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र संगठन ने वर्ष 2023 को **आंतरराष्ट्रीय मिलेट** वर्ष घोषित किया है। ठाणे, चिपळूण, वडोदरा, गांधीनगर, भुवनेश्वर (ओदिशा), दिल्ली की हमारी कार्यकर्ताओंने भिन्न भिन्न प्रकार से महिलाओं को इन अनाजों की पौष्टिकता के बारे में जानकारी दी। मुंबई, पुणे, नागपूर में इन अनाजों से बने व्यंजनों की प्रतियोगिता रखी गयी।

मुंबई, ठाणे की महिलाओं को योग प्रशिक्षण, वॉकेथॉन जैसे कार्यक्रमों द्वारा स्वास्थ्य रक्षा का महत्व समझाया गया। स्वच्छ पानी, स्वच्छ शौचालय की सुविधा पाना हर नारी का अधिकार है। सांगोला की हमारी कार्यकर्ताओंने वॉटर फिल्टर का वितरण किया। केरळ की कार्यकर्ताओंने सार्वजनिक शौचालय की स्वच्छता के मुद्दे पर आवाज उठायी। उपरोक्त वर्णित सभी उपक्रमों से सेंकडों महिलाओं तक पहुंचने में संगठन की कार्यकर्ता सफल हुई हैं।

तंदुरुस्ती का दुसरा अहम पहलू होता है मानसिक स्वास्थ्य का। हमारी बहनों को यह आयाम बखूबी समझाने के उद्देश्य से पुणे, नागपूर, अमरावती, धुळे, चंडीगढ इन इकाइयोंने विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मानसिक अस्वास्थ, स्ट्रेस मॅनेजमेंटआदी विषयोंपर गहरी चर्चा का आयोजन किया।

आर्थिक स्वावलंबिता

महिलाओं का आर्थिक परावलंबन उसे दुर्बल बनाता है। उसे निम्न स्तर का जीवन जीने को मजबूर करता है और उसके व्यक्तित्व को आहत करता है। आर्थिक स्वावलंबन, आर्थिक समानता, आर्थिक सहभागिता, आर्थिक स्वातंत्र्य

इन सभी का योगदान महिला सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण होता है। भारतीय स्त्री शक्ति संगठन इस हेतू अनेक उपक्रम चलाता है।गत अनेक वर्षो से भारतीय स्त्री शक्ती से संलग्न महिला स्वसहायता गट कार्यरत है ।प्रस्तुत है गत वर्ष भिन्न भिन्न अवसरों पर क्रियान्वित की गयीं गतिविधियों का विवरण।

वित्त संबंधी लेन देन तथा सौदे की कार्यविधी का संपूर्ण ज्ञान होना आर्थिक स्वावलंबन के लिये पहला और सबसे आवश्यक चरण होता है। महाराष्ट्र की मुंबई – डोंबिवली – ठाणे में, ओदिशा के खुर्दा में तथा जम्मू – काश्मीर के कथुआ जिले की बधौली इकाइयोंने, हमारी बहनों की वित्तीय साक्षरता बढाने के लिये सत्रों का आयोजन किया। एक उल्लेख अवश्य करना होगा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने का दायित्व भारतीय स्त्री शक्ति की अनुभवी कार्यकर्ताओं ने बडे उत्साह से निभाया। वित्त विशेषज्ञोंने सहभागी महिलाओं को मार्गदर्शन किया। बँकिंग, आर्थिक व्यवहार में टेक्नॉलॉजी का महत्व, डिजिटायझेशन की सार्थकता, वित्त प्रबंधन आदि महत्वपूर्ण विषयों की चर्चा इन सत्रों में की गयी। करीब करीब 500–550 बहनें इस कार्यक्रम द्वारा लाभान्वित हुई हैं।

वडोदरा (गुजरात) इकाईने महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय की छात्राओं के लिये **युवा रोजगार** अभियान सफलतापूर्वक चलाया। नौकरी के अवसर इन युवतियों को उपलब्ध कराये गये।

नांदेड, सांगोला, चिपळूण, भुवनेश्वर, चंडीगढ तथा केरल की इकाइयोंने महिलाओं के कौशल विकास के लिये विशेष प्रयास किये। बॅग, रजाई, डोरमॅट, कपडे इत्यादि की सिलाई, फॅशन डिझाइनिंग, फेब्रिक पेंटिंग, ज्वैलरी मेकिंग का प्रशिक्षण दिया गया। तीन दिनों से लेकर पंद्रह दिनों तक ये कार्यक्रम चलाये गये। गणेश उत्सव के दौरान पर्यावरण हितैषी मूर्ती बनाने का प्रशिक्षण महिलाओं को दिया गया। दीवाली, मकर संक्रांति जैसे त्योहारों के अवसरों पर उपहार स्वरूप दिये जानेवाली वस्तुएं बनाने की कार्यशालाओं का आयोजन भी किया गया।

स्वावलंबी महिला, सशक्त भारत अभियान के अंतर्गत विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी रखे गये। कई इकाइयोंने लोक कला को बढावा देने के उद्देश्य से बहनों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया। ओदिशा में पट्ट चित्रों की प्राचीन परंपरा है। कटक, खुर्दा, भुवनेश्वर तथा अनुगुळ की महिलाओं को इस चित्र संस्कृती से अवगत कराया गया। चंडीगढ इकाई में बहनों में निहीत कलाकारी को प्रोत्साहित किया गया। पाठ्यक्रम समाप्ती पर इन सभी बहनों को सर्टिफिकेट वितरित किये

गये। कौशल विकास के इन सभी प्रयासों में सम्मिलित महिलाओंने आर्थिक सक्षमता की ओर एक ठोस कदम बढाया है।

गोमेवाडी (महाराष्ट्र) में महिलाओं के लिये मधुमक्खी पालन का खास उपक्रम चलाया गया। केंद्रीय मधुमक्खी अनुसंधान संस्था, पुणे के सहयोग के कारण यह उपक्रम बडा कारगर सिद्ध हुआ। छत्ते से प्राप्त होनेवाले शहद और अन्य पदार्थों का महत्व सहभागी महिलाओं को समझाया गया।

उद्यमी महिलाओं के व्यवसाय को बढावा देने के लक्ष्य से भारतीय स्त्री शक्ति की कई इकाइयोंने प्रदर्शनी का आयोजन किया। महाराष्ट्र के चार नगरों में ऐसे मेले आयोजित किये गये। बोरिवली, मुंबई में आंतरराष्ट्रीय महिला दिन और दीपावली पर्व इन दो अवसरों पर महिलाओं को स्वयम निर्मित उत्पादों को ग्राहकों के सम्मुख दर्शाने का, बिक्री करने का मौका मिला। श्रावण उत्सव के दौरान नाशिक में, नवरात्री उत्सव के दौरान अमरावती में तथा पिंपरी – चिंचवड में इसी तरह का सफल आयोजन किया गया। व्यवसायी बहनों ने कमाई के साथ साथ जो आत्मविश्वास अर्जित किया है, वह सच्ची उपलब्धी है।

समानता

किसी भी प्रकार की असमानता अन्याय को जन्म देती है। असमानता, चाहे वह परिवार में हो या समाज में, व्यक्तियों में अलगाव पैदा करती है। हर व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से भिन्न होता है। लेकिन यह भिन्नता भेदभाव का कारण नहीं हो सकती। परिवार समाज की मूल इकाई है। लैंगिक असमानता यहीं से शुरू होती है। हम समझते हैं कि प्रकृति ने पुरुष और स्त्री को अलग बनाया है। हम इन भिन्नताओं को स्वीकार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। इन भिन्नताओं के बावजूद हम पुरुषों और महिलाओं को समान और परस्परपूरक मानते हैं। इसी उद्देश्य के साथ भारतीय स्त्री शक्ति, परिवार तथा समाज में लिंग समभाव (Gender Equality) निर्माण करने के लिये विविध प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करती है।

भारतीय स्त्री शक्ति संगठन चाहता है कि लिंगाधारित विषमता के साथ साथ स्त्री–स्त्री के बीच जाति, पंथ, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, वैवाहिक स्तर पर जो असमानता है, उसे भी मिटाना होगा।

गतवर्ष मुंबई में एक परिवार के भीतर बदलते रिश्तों पर **बदलते परिवार व**

बदलती भूमिकाएँ पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गयी थी।

नवरात्रि पर्व के दौरान, मुंबई के छह कॉलेजों में **लड़का लड़की एक समान, घर हो या हो मैदान** कार्यक्रम के अंतर्गत खेल के मैदान में समानता की बातचीत हुई। खेल के क्षेत्र के विशेषज्ञों ने छात्राओं को एथलेटिक्स, बैडमिंटन, जिम्नास्टिक और कबड्डी के बारे में बताया। उन्होंने छात्राओं को खेलों में हिस्सा लेने के लिये प्रोत्साहित किया।

लिंगाधारित समानता और लिंग समभाव जागृति के प्रति युवाओं को अवगत कराने के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित की गईं। ऐसी समानता लाने के लिए डिजिटल अनुसंधान और तकनीक का प्रयोग करने का प्रस्ताव गुजरात की एक कार्यशाला में रखा गया। महाराष्ट्र के पुणे, लातूर, नंदुरबार, धुळे, नांदेड़ और अमरावती तथा जयपुर की स्कूल और महाविद्यालयीन छात्राएँ इससे लाभान्वित हुईं।

कोझिकोड (केरल) के जेंडर क्लब ने डॉक्टर, प्रोफेसर और मनोवैज्ञानिकों के साथ Team Building Leadership Skills पर चर्चा की। पुणे शाखा ने सेना अधिकारियों की पत्नियों से ऑनलाइन चर्चा की। जब उनके पति बाहर होते हैं तो इन पत्नियों को अत्यधिक जिम्मेदारियां उठानी पड़ती हैं। केरल में, ट्रांसजेंडर नीति पर एक चर्चा सत्र आयोजित किया गया जिसमें एक ट्रांसजेंडर नेता सिसिली जॉर्ज ने भी भाग लिया। चंडीगढ़, ओडिशा और वडोदरा में नारी सशक्तीकरण संगोष्ठी आयोजित की गयी। अमरावती में मोहल्ला बैठकें आयोजित की गईं। अमरावती के पास चावरे नगर में महिलाओं की मदद हेतू एक हेल्प डेस्क शुरू की गई।

राजस्थान की कई इकाइयों ने बैठकों का आयोजन किया। इनमें महिलाओं को भारतीय स्त्री शक्ति के सिद्धांतों और पंचसूत्री से परिचित कराया गया।

आत्मसम्मान

समाज और परिवार में होनेवाले लिंगाधारित भेदभाव, शिक्षा का अभाव और समाज में निम्न स्थिति इन कारणों से महिलाओं का व्यक्तित्व प्रभावित होता है। परिणामस्वरूप उसमें आत्म–सम्मान की कमी पायी जाती है। मानवीय अधिकारों से उन्हें वंचित रखा जाता है। महिला सशक्तीकरण के प्रमुख पहलुओं में से एक है आत्म–सम्मान। कम आत्म सम्मान वाली महिला को गुणवत्तापूर्ण जीवन नहीं

मिल पाता। आत्मसम्मान के महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है, सुरक्षा की भावना। महिलाओं के स्वाभिमान को बढ़ाने के उद्देश्य से मुंबई, ठाणे, गोमेवाड़ी और मध्य प्रदेश में गत वर्ष सत्र आयोजित किए गए। 450 से अधिक छात्रों ने इन सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया। भारतीय स्त्री शक्ति की झाबुआ, मध्य प्रदेश इकाई में महिला सफाई कर्मी व महिला रिक्शा चालकों को सम्मानित किया गया ।

निरंतर चलनेवाले विशेष उपक्रम

1. नॅशनल लॉ फोरम : कम आत्मसम्मान के कई कारणों में से एक अहम कारण यह है कि महिलाओं को भारत के संविधान में परिकल्पित अपने अधिकारों के बारे में पता नहीं है। कई महिला विशिष्ट अनेक कानून हैं। दुर्भाग्य से, महिलाओं में कानूनी साक्षरता का अभाव है। इसलिए कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जाता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए भारतीय स्त्री शक्ति ने 'नॅशनल लॉ फोरम' का गठन किया है। यह फोरम महिलाओं में कानूनी साक्षरता और सुरक्षा की भावना विकसित करने के लिए गतिविधियों का आयोजन करता है। यह फोरम नीति निर्माण, कानून निर्माण, कानून प्रवर्तन और कानूनों में संशोधन के लिए सिफारिशें देने में भी शामिल है। भारतीय स्त्री शक्ती के अनेक शाखाओं में स्थानिक स्तर पर लॉ फोरम का गठन होना शुरू हुआ है।

2. परिवार परामर्श केंद्र : महाराष्ट्र में भारतीय स्त्री शक्ति द्वारा दस परिवार परामर्श केंद्र चलाए जा रहे हैं। इनमें से तीन केन्द्रों को महाराष्ट्र राज्य महिला बाल विकास विभाग से अनुदान प्राप्त होता है, और दो केन्द्रों को केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड से अनुदान प्राप्त होता है । इन केंद्रों में प्रशिक्षित समुपदेशकों की नियुक्ति की जाती है। ये केंद्र महिलाओं को घरेलू हिंसा के विरुद्ध न्याय दिलाने में मदद करते हैं। निम्न तालिका वर्ष 2022–23 में निपटाए गए मामलों के प्रकार और मामलों की स्थिति का वर्गीकरण देती है।

3. वन स्टॉप सेंटर : महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा अनुदान प्राप्त वन स्टॉप सेंटर नागपूर में चलाया जाता है। एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की सुरक्षा सुविधा तथा सेवा पीडित महिलाओं को मिलती है। POCSO और घरेलू हिंसा जैसे हिंसा के मामलों में पीडित महिलाऐ और लडकिया इन सेवा का लाभ उठाती है।

दहेज की मांग (212) वैवाहिक संबंधों में सामंजस्य का अभाव, ससुराल के लोगों से / मायके के लोगों से दखलअंदाजी, विवाहबाह्य संबंध (2050),

शराब की लत (466), आर्थिक संकट (351) और अन्य (24) अैसे कुल 3303 मामले इन केंद्रों के द्वारा 2022–23 में निपटाये गये।

विधि साक्षरता

मुंबई, अमरावती, ठाणे और ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में कई कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। लगभग 560 महिलाएं इन कार्यक्रमों से लाभान्वित हुईं। ठाणे जेल में निःशुल्क कानूनी सहायता पर एक सत्र आयोजित किया गया। गोमेवाड़ी, सांगोला में पोक्सो अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

हाल ही में केंद्र सरकार ने लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु को 21 वर्ष करने के लिए संशोधन विधेयक पेश किया है। इस संबंध में लड़कियों में जागृती निर्माण करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये।भारत सरकार ने जनमत जानने के लिये Online survey लिया और इस विषय में जागृति निर्माण करने के लिए अनेक शाखाओं में कार्यक्रम किये गये।

'कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 बनाया गया। इस अधिनियम के अनुसार प्रत्येक संगठन में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है। भारतीय स्त्री शक्ति के कार्यकर्ता पूरे भारत में कई संगठनों में आईसी के सदस्य के रूप में काम कर रही हैं। इस कानून के बारे में जागरूकता निर्माण करने के लिए मुंबई, ठाणे, नागपुर और नवी मुंबई में गत वर्ष कई सत्रों का आयोजन किया गया अनेक महिलाएं इससे लाभान्वित हुईं।

आजकल साइबरविश्व भी महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक गंभीर आपदा बन गया है। दिल्ली में साइबर सुरक्षा पर एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया गया। इस सर्वेक्षण में 1000 लड़कियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी। दिल्ली इकाई द्वारा साइबर सुरक्षा पर एक सेमिनार भी आयोजित किया गया। महाराष्ट्र के अनेक शाखाओं में साइबर सुरक्षा पर अनेक सत्र आयोजित किये गये।

भारतीय स्त्री शक्ति तात्कालिक घटनाओं के प्रति बहुत संवेदनशील है और सामाजिक मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई करता है। हाल ही में जूनियर मिस इंडिया प्रतियोगिता की घोषणा की गई। इस प्रतियोगिता के आयोजकों के खिलाफ भुवनेश्वर और जयपूर , नागपूर त्तथा लातूर में आंदोलन किया गया।

यू–ट्यूब पर फिल्म 'नाय वरन भात लोन्चा कोन नाय कोन्चा' का ट्रेलर जारी किया गया था जिसमें बच्चों को आपत्तिजनक तरीके से चित्रित किया गया था। भारतीय स्त्री शक्ति ने इसका तत्काल संज्ञान लिया और इस फिल्म के प्रदर्शन का विरोध किया। भारतीय स्त्री शक्ति ने निर्माता तथा निर्देशक के विरुद्ध में के पोक्सो के विशेष न्यायलयमें याचिका दाखिल की। और न्यायालय के निर्देश पर उनके खिलाफ FIR दाखिल किया गया। अुपरोक्त कार्यक्रमों के अलावा अनेक उल्लेखनीय कार्यक्रमोंका आयोजन किया गया। लातूर, नागपूर शाखाने चित्रपट के प्रदर्शनपर रोक लगाई।

उपरोक्त कार्यक्रमों के अलावा अनेक उल्लेखनीय कार्यक्रमो का आयोजन किया गया।

विशेष उपक्रम

आझादी 75 – कुछ झलके

आझादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर भारतीय स्त्री शक्ति की 75 कार्यकर्ताओं ने संगठन विस्तार के लिये 75 स्थलों की यात्रा करने की योजना बनायी। इस योजना अंतर्गत महाराष्ट्र, राजस्थान, ओरिसा, केरळ, मध्यप्रदेश, गुजरात आदि प्रांतो में कार्यकर्ताओं ने प्रवास किया। इन भेंट यात्राओं के कारण बहुतसी बहनों को संगठन की जानकारी दी जा सकी। कई स्थानों पर मोहल्ला बैठकों का आयोजन किया गया।

भारतीय स्त्री शक्ती की सभी शाखाओंने **भारत की स्वतंत्रता का अमृतमहोत्सव** जोरशोर से मनाया।

- 14 अगस्त 2022 को भारतीय स्त्री शक्ती की राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. मनीषा कोठेकरजी ने 'भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं का योगदान' इस विषय पर अपने विचार रखे। हर शाखा ने स्कूलो, महाविद्यालयों, बस्तियों में राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराया और राष्ट्रगीत गाया।
- जम्मू की अेक बस्ती में अनजान स्वतंत्रता सेनानियों की कथाये प्रस्तुत की। राजस्थान की महिलाओं की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका का परिचय मनसा (राजस्थान) की कार्यकर्ताओंने स्टडी सर्कल को करवाया।
- स्त्रीचेतना (केरळ) ने 'भारत की स्वतंत्रता संग्राम अेवम महिला आंदोलन का इतिहास' इस विषय पर महोत्सव का आयोजन किया, जिसमे स्वतंत्रता

सेनानियों पर अेक नाट्य प्रस्तुत किया गया।

* अहमदाबाद स्त्री चेतना (गुजरात) की कार्यकताओंने महाविद्यालयीन छात्राओं के लिये भारतीय संविधान पर Quiz Competition आयोजित की।
* पुणे के सभी स्वसहायता गुट झंडावंदन में सहभागी हुये। अनेक स्थानों पर वीरांगनाओं की कथाअें प्रस्तुत की गयी।
* पेण में पुलिस स्टेशन के सहयोग में गत 75 वर्षों में महिलाओं की सुरक्षितता पर चर्चा सत्र आयोजित किया गया।
* पिंपरी चिंचवड में 45 स्कूलोमें पुणे जिले के क्रांतिकारको के बारे में कथा, पथनाट्य, गीत, पोवाडे आदि का अेवम उन की जानकारी देनेवाली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
* मुंबई शाखा की ओर से 75 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के व्हिडिओ इंटरव्ह्यू लिये गये। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद स्त्रियों को मिलनेवाले विचार, आचार, निर्णय स्वतंत्रता, आर्थिक स्वतंत्रता के अधिकार आदि विषयोंमें कैसे बदलाव हुआ उसका अनुभव कथन इन महिलांओ ने किया। इन व्हिडीओज का संकलन मुंबई शाखाने किया।
* महाराष्ट्र के ग्रामीण विभाग की शाखा गोमेवाडी में किसान और मजदूर महिलाओं का पहली बार ध्वजारोहण अेवम राष्ट्रगीत गायन का अनुभव रोमांचित करनेवाला था। स्त्री शक्ती की कार्यकर्ताओंने सुभाषचंद्र बोस कि आझाद हिंद सेना की प्रथम महिला सैनिक राजमणी की कथा अेवम जिन महिला आंदोलको के कारण मतदान अधिकार प्राप्त हुआ उनकी जानकारी दी।

- **पाठक मंच (Reader's Forum)**

  महाराष्ट्र में बहुत वर्षो से यह उपक्रम निरंतर चल रहा है। मुंबई, पुणे, नागपूर, अमरावती, लातूर, सांगोला, पिंपरी चिंचवड, नांदेड, वर्धा, चंद्रपूर शाखाओं द्वारा वाचक मंच चलाये जाते हैं। हर महिने अलग अलग प्रकार के कार्यक्रम होते हैं। वाचक मंच संमेलन तथा मराठी दिन मनाया जाता है। इस वर्ष पुणे वाचक मंच का रौप्य महोत्सवी संमेलन 4 फरवरी 2023 को संपन्न हुआ।

- **पर्यावरण – अनुकूल कार्यक्रम**

  यह पाया गया है कि उपयोग के पश्चात प्लास्टिक की वस्तुएं फेंक दी जाती

हैं। नष्ट ना होने के कारण यह कचरा पर्यावरण को हानि पहुँचाता है। भारतीय स्त्री शक्ति की कार्यकर्ताओं ने इस समस्या को सुलझाने के लिये ठोस कदम उठाया। मुंबई की बोरिवली और विले पार्ले शाखा में हर महीने प्लास्टिक का कचरा जमा करके उसके पुनर्नवीकरण संस्थाओं को सोपा जाता है। बोरीवली और विक्रोळी इकाइयोंने सब्जी, फलों के बने कचरे से खाद बनाने का प्रशिक्षण बहनों को दिया।

- **भारतीय स्त्री वाद**

  भारतीय स्त्री वाद विषय पर तीन महिने और तीन क्रेडीट का पाठ्यक्रम डॉ. बाबासाहेब आबेडकर युनिव्हर्सिटी (महू) के सहयोग से गतवर्ष चलाया गया। इस पाठ्यक्रम में भारतीय वैचारिक दर्शन, पाश्चात्य स्त्रीवाद, स्त्री अध्ययन की प्रमुख विशेषताएँ, स्त्री समस्याएँ आदि विषयों पर व्याख्यान आयोजित किये गये थे। इन व्याख्यानों पर आधारित पुस्तक प्रकाशन करने का प्रस्ताव है। पुस्तक संपादन का कार्य चल रहा है।

- **पुस्तक विमोचन**

  भारतीय स्त्री शक्ति के लिए यह गर्व का क्षण था जब राष्ट्र निर्माण में स्त्री शक्ति पुस्तक का विमोचन 15 मई 2022 को महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल आदरणीय श्री. भगतसिंह कोश्यारीजी द्वारा राजभवन में किया गया। यह पुस्तक भारतीय स्त्री शक्ति के 33 वर्षों की यात्रा की झाँकी है। इसमें संगठन की परिकल्पना, लक्ष्य और उपलब्धियों को प्रलेखित किया गया है। इस पुस्तक का विधिवत विमोचन जयपूर, नाशिक, नागपूर, नांदेड़, अमरावती इकाइयों में भी किया गया।

- **क्रीडा क्षेत्र में महिला–संगोष्ठी**

  राष्ट्रीय महिला आयोग और एसएनडीटी विश्वविद्यालय के सहयोग से Women in Sports इस विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 डिसंबर, 2022 को मुंबई में किया गया। इस संगोष्ठी में खेल और स्वास्थ्य, एक कैरियर के रूप में खेल, खेल को बढ़ावा देने में संस्थाओं की भूमिका और महिला खिलाडियों का यौन उत्पीड़न इत्यादि पहलुओं पर चर्चा हुई। भारत का राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमुख खेल हस्तियों को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने छात्राओं का मार्गदर्शन किया और उनके साथ अपने निजी अनुभव भी साझा किये।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा, एस एन डी टी विद्यापीठ की कुलगुरु डॉ. उज्वला चक्रदेव तथा भारतीय स्त्री शक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शैलजा अंधारेजी ने कार्यशाला को संबोधित किया। उपरोक्त गतिविधियों से कुल लगभग 300 खिलाड़ी छात्राओं को लाभ हुआ।

'Women in Sports' इस सेमिनार में NCW को सुझाव भेजे गये उसमे से कुछ सुझाव

1. क्रीडा प्रशिक्षण संस्थाओंमें महिलाओं के लिये 50% आरक्षण होना चाहिये।
2. क्रीडा संस्था, शैक्षणिक संस्था, स्पोर्टस क्लब आदि में महिला प्रशिक्षकोंकी नियुक्ति होनी चाहिये।
3. महिला खिलाडीओंके लिये सुरक्षित कार्यस्थल होने चाहिये। समय समय पर इन कार्यस्थलोंका सुरक्षा ऑडिट होना चाहिये।

- **नॅशनल लॉ फोरम**
- 'शादी की न्यूनतम उम्र' इस विषयपर भारतीय स्त्री शक्ति द्वारा किये गये सर्वेक्षण तथा सुझावों के रिपोर्ट की प्रस्तुती संसदीय समिती के संमुख की गयी।
- भारतीय स्त्री शक्ति के National Law Forum के अंतर्गत गत वर्ष में अनेक विषयोंपर अध्ययन किया गया।

  1. Marriageable age of boys and girls, Grounds for Divorce, Maintenance and Alimony, Succession and Inheritance, Adoption and Guardianship BZ पाच विषयों में सभी धर्मो के लिये समान कानून होना चाहिये इस हेतू से सुप्रीम कोर्ट में Writ Petition दाखिल की गई।
  2. Personal Laws के Review के लिये संसदीय समिती को ज्ञापन दिया गया।
  3. राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से Review of Criminal Law पर गठित किये गये consultation programme मे भारतीय स्त्री शक्ति के प्रतिनिधियों ने सहभाग लेकर अपनी सूचनाये प्रस्तुत की।

4. Marital Rape के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट में Intervention application दायर किया।
5. इसी प्रकार Same Sex Marriage के विषय में भी भारतीय स्त्री शक्ति ने Intervention application दायर किया है।

G 20 और भारतीय स्त्री शक्ति

भारतीय स्त्री शक्ति भारतीय परिप्रेक्ष्य के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के लिए अथक रूप से काम कर रहे नागरिक समाज संगठन (Civil Society Organisation) के रूप में Civil 20 – लैंगिक समानता और विकलांगता समूह से जुड़ी हुई है। माननीय पूर्व न्यायमूर्ति मीरा ताई खडक्कर उ 20– लैंगिक समानता और विकलांगता समूह की सलाहकार समिति की सदस्य हैं। भारतीय स्त्री शक्ति की कार्यकर्ता उ 20 और अन्य उसी प्रकार के समूहों जैसे Youth 20, Labour 20 आदि के साथ कई तरह से वक्ता, लेख के लेखक और प्रतिभागियों के रूप में शामिल हैं।

1. 12 फरवरी, 2023 को श्रीनगर में आयोजित सम्मेलन में – नयना सहस्रबुद्धेजी ने महिला सशक्तिकरण में पुरुषों और लड़कों को शामिल करना इस विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। C 20 से एक श्वेत पत्र के लिए नीतिगत सिफारिशें प्रस्तुत की गई हैं।

2. One Million Lights Campaign - यह अभियान 8 मार्च, 2023 को शुरू किया गया था और युनेस्को, एनसीडब्ल्यूईबी और कई अन्य संगठनों के साथ भारतीय स्त्री शक्ति इसमें आधिकारिक भागीदार थी।

3. 14 अप्रैल, 2023 को होनेवाले अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का विषय है कार्य और जीवन में लिंग भूमिकाओं को संतुलित करना। नयना सहस्रबुद्धेजी ब्राजील, लेबनान, कैमरून, इक्वाडोर और अर्जेंटीना के वक्ताओं के साथ इस विषय पर एक वक्ता होंगी। श्वेत पत्र के लिए नीतिगत सिफारिशें और सर्वोत्तम अभ्यास प्रस्तुत किए जाएंगे।

4. भारतीय स्त्री शक्ति ने डिजिटल स्पेस में भी लैंगिक समानता पर विचार और सिफारिशें प्रस्तुत की हैं।

5. भारतीय स्त्री शक्ति कार्यकर्ता विभिन्न समूहों द्वारा आयोजित विभिन्न सम्मेलनों, सेमिनारों और साइड इवेंट्स का हिस्सा हैं। डॉ. ज्योति चौथाईवाले, डॉ. अदिति नारायणी, श्रीमती. नीलाताई देशपांडेजी ने कार्यक्रमों में अपने विचार

रखे। अदिति ने कई लेख भी लिखे हैं।

6. भारतीय स्त्री शक्ति की कार्यकर्ताओं ने नागपुर, भुवनेश्वर में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया।

भारतीय स्त्री शक्ति महिला सशक्तिकरण, परिवार, पुरुषों और लड़कों की भूमिका, जमीनी स्तर के काम और अनुभव के आधार पर प्रौद्योगिकी के प्रति भारतीय दृष्टिकोण को दर्शाने में सफल रहा है।

- **भारतीय स्त्री शक्ति के माध्यम से 2022–23 इस वर्ष में उपक्रम, प्रकल्प, रचनात्मक तथा आंदोलनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से देशभर में करीबन 45000 महिलाओं की सहभागिता रही।**

आगामी दिशा

- **क्रीडा अध्ययन**

  भारतीय स्त्री शक्ति द्वारा Women in Sports and their Gender Issues इस विषय पर राष्ट्रीय महिला आयोग के सौजन्य से अध्ययन का कार्य शुरू हुआ है। महाराष्ट्र तथा राजस्थान के विभिन्न जिलों से 3000 महिला खिलाडियों का सर्वेक्षण क्रीडा भारती संगठन की मदद से किया जाएगा।

  भारतीय स्त्री शक्ति की शाखाओं द्वारा वार्षिक उत्सव के रूप में यह चार दिन मनाए जायेंगे।

  1. 3 जनवरी – क्रांतिज्योती सावित्रीबाई फुले जन्मदिन
  2. 8 मार्च – अंतरराष्ट्रीय महिला दिन
  3. 15 मे – भारतीय स्त्री शक्ति स्थापना दिन
  4. 26 नवंबर – संविधान दिन

- संगठन के विस्तार के लिये विविध क्षेत्रों की महिलाओं के विभागश: संमेलनों का आयोजन किया जाएगा।
- डिजिटल लिटरसी, फिनान्शीअल लिटरसी इन विषयोंपर प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे।

प्रस्तुतकर्ता

वर्षा पवार तावडे

राष्ट्रीय सचिव – भारतीय स्त्री शक्ति

BSS Publications List

1. भारतीय स्त्री शक्ति ची भूमिका
   (1995, महाराष्ट्र प्रांत, 3 रा अधिवेशन, डोंबिवली)
2. हिंदू वारसा कायद्यातील 1994 ची दुरुस्ती (स्त्रियांना वडिलार्जित संपत्तीत समान हक्क) (1995, महाराष्ट्र प्रांत, 3 रा अधिवेशन, डोंबिवली)
3. बारमध्ये काम करणाऱ्या महिलांचा प्रश्न
   (1995, महाराष्ट्र प्रांत, 3 रा, अधिवेशन डोंबिवली)
4. Electoral process in Corporation Elections - A Gender Study
5. महापालिका निवडणूक प्रक्रिया : स्त्रियांच्या दृष्टीकोनातून अभ्यास
6. दशकपूर्ति (1998, महाराष्ट्र प्रांत, 4 था अधिवेशन, नागपूर)
7. कळी उमलताना
8. कहाणी एड्सच्या विळख्याची
9. वागीश्वरी 2000
10. विश्व–मानसी (2001, महाराष्ट्र प्रांत, 5 वा, अधिवेशन, नाशिक)
11. भारतीय स्त्रीशक्तीची सैद्धांतिक भूमिका
12. भारतीय स्त्रीशक्ति पंधरा वर्ष (मराठी, हिंदी, इंग्रजी)
13. अनुबंध (2004, महाराष्ट्र प्रांत 6 ठा अधिवेशन, ठाणे)
14. A Study on Gender Issues in Sports in India
15. उड़ान The Take Off (2007, प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन, गोवा)
16. कौटुंबिक सल्ला व मार्गदर्शन केंद्र महाराष्ट्र,
    अध्ययन अहवाल 2007–2008
17. जागर स्त्री आरोग्याचा (2010,महाराष्ट्र प्रांत 7 वा अधिवेशन, अमरावती)
18. मी नगरसेविका
19. कुतूहल – किशोरवयीन मुला–मुलींसाठी
20. महिला सक्षमतेतून कौटुंबिक स्वास्थाची वाटचाल अहवाल
21. The Issue of Widows and Destitute Women Staying in Vrindavan
22. 50% आरक्षण और मै
23. भारतीय स्त्रीशक्ति 25 (2013, रौप्य महोत्सवी राष्ट्रीय अधिवेशन, इन्दोर)
24. मराठवाड्यातील महिलांचा राजकीय सहभाग (2013, महाराष्ट्र प्रांत 8 वा अधिवेशन, लातूर)
25. महिला आणि पाणी प्रश्न
26. जिज्ञासा (किशोरवयीन लडकों तथा लडकियों के लिए)
27. पोलिस कुटुंबियांचे सर्वेक्षण

28. स्त्रियांच्या मानसिक आरोग्यासाठी भावनिक नियोजन
29. नक्षलवादाच्या छायेतील कौटुंबिक व स्त्रीजीवन सर्वेक्षण अहवाल
30. कामाच्या ठिकाणी महिलांचा लैंगिक छळ (प्रतिबंध, मनाई व निवारण कायदा 2013)
31. Sexual Harassment at Workplace (Prevention, Prohibition and redressal act 2013)
32. गृहिणी कल, आज और कल
33. अंगण ते अंतराळ (2016, महाराष्ट्र प्रांत 9 वा अधिवेशन, पुणे)
34. 'Report on National Consultative Seminar' Smart Cities with Focus on Inclusive Gender Empowerment
35. Report of National Consultative Seminar on : Efficacy of Laws Pertaining to Property and Marital Rights in Different Religions in India
36. Tackling Violence Against Women
37. Women: The Champions of Change (2018, त्रिदशकपुर्त्ती राष्ट्रीय अधिवेशन, नागपूर)
37. Report : Capacity Building of self Help Groups for e- Marketing
38. Protection of Women from Domestic Violence Act 2005
39. कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीडन (रोकठाम, निषेध, निवारण) अधिनियम 2013
40. Services for Orphaned Girls (Over 18 years) out of Shelter Homes/ Children's Homes in Maharashtra Study
41. A Study on Women Police in Maharashtra : Issues and Challenges
42. Women Related Policies in India with Special Reference to International Conventions and Conferences on Women : An Overview
43. Report: Capacity Building of Self Help Groups for E-Marketing
44. भरारी विदर्भस्तरीय वाचक संमेलन –
45. Indian Feminism (An Introduction)
46. भारतीय नारीवाद
47. राष्ट्र निर्माण में स्त्री शक्ती
48. Report of National Seminar on Women in Sports

भारतीय स्त्री शक्ति संगठन ने स्वच्छता महिला कर्मियों का किया सम्मान

झाबुआ। भारतीय स्त्री शक्ति संगठन द्वारा स्वच्छता महिलाकर्मियों का बड़ी संख्या में सम्मान किया गया। भारतीय स्त्री शक्ति इकाई झाबुआ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय गांधी ग्राम में हमारी स्वच्छता महिलाकर्मियों का पुष्पहार द्वारा सम्मान किया गया एवं भेंट स्वरूप हल्दी कुमकुम कर साड़ियां वितरित की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रांताध्यक्ष किरण शर्मा द्वारा भारतीय स्त्री शक्ति के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। इकाई के सदस्यों एवं महिलाओं द्वारा भजन गाए गए तथा आपसी सद्भाव का परिचय दिया। कार्यक्रम में 25 से 30 स्वच्छता बहनें एवं भा. स्त्री शक्ति की सदस्य किरण शर्मा, वंदना शर्मा, निर्मला झरबडे, वंदना नायर, कीर्ति देवल, देवल, पूजा माथुर एवं सविता गुप्ता आदि उपस्थित रहीं।

दैनिक भास्कर देवास 10-03-2023

महिला और किशोरियों को स्वास्थ्य, सुरक्षा और कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

शिविर में छात्राओं और महिलाओं को संबोधित किया।

देवास | महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला और किशोरियों में जागरूकता के लिए बालगढ़ रोड भोलेनाथ मंदिर के सामने स्थित अनुसूचित जाति-जनजाति छात्रावास में अधीक्षिका रीमा चौहान, लीला लॉरेंस, हेमलता सोलंकी व रानी महाजन के सहयोग से शिविर का आयोजन भारतीय स्त्री शक्ति देवास इकाई ने किया।

शिविर में महिला-किशोरियों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा, कानूनी अधिकारों, सामाजिक मर्यादाओं के समुचित समन्वय के साथ कैसे आत्मनिर्भर बने और विकास की ओर अग्रसर रहे के विषय को लेकर विशेषज्ञों ने उद्बोधन दिया। डॉ. रेखाश्री जैन ने किशोरियों में होने वाली शारीरिक समस्या और समाधान के लिए उपाय के साथ ही समुचित शारीरिक, मानसिक विकास, स्वच्छता की ओर विशेष ध्यान आकर्षित कराया। अध्यक्षता भारतीय स्त्री शक्ति की प्रांत सचिव गीतांजलि आशीर्वाद चौरसिया अधिवक्ता इंदौर ने की। कार्यक्रम में देवास इकाई अध्यक्ष रमा यादी का सहयोग रहा। संचालन पूर्वा महाजन अधिवक्ता उच्च न्यायालय ने किया।

नि:शुल्क प्रशिक्षण शुरू

सागर @ पत्रिका. पथरिया जाट स्थित लक्ष्मी नगर में भारतीय स्त्री शक्ति मप्र के द्वारा नि:शुल्क सिलाई और कढ़ाई प्रशिक्षण मंगलवार को शुरू हुआ। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा तिवारी ने कहा कि मातृत्व सुरक्षा दिवस के अवसर पर हम महिलाओं को सर्वप्रथम अपने स्वास्थ्य का भरपूर ध्यान रखना चाहिए। प्राचार्य श्वेता शर्मा ने कहा कि हमें अपने आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है। सरपंच प्रमोद यादव ने कहा कि मुझे हर्ष हो रहा है कि इस क्षेत्र में महिलाओं को जागरूक करने के लिए इतना अवसर मिल रहा है। प्रज्ञा उपाध्याय ने कहा कि स्त्री शक्ति आपने कहा कि किसी भी समाज के कल्पना नारी के बिना नहीं की जा सकती और नारी जब भी कुछ ठान लेती है, तो वह कर के दिखाती है। कठिन परिस्थितियों में भी वह अपने शक्ति का परिचय देते हुए नजर आती है। नारी ने अपने हार रूप में यह साबित भी किया है। आभार शैलबाला बैरागी ने माना। ममता सिंह का सहयोग रहा।

न्हा प्रशासन व भारतीय स्त्री शक्ती संघटनेच्या संयुक्त पथकाकडून लवकरच तपासणी

बे, पंपांवरील स्वच्छतागृहांचा विषय ऐरणीवर

प्रवासामध्ये स्वच्छतागृह नसल्यामुळे महिलांची गैरसोय होते. यामुळेच प्रशासनाकडून परवाना घेऊन व्यवसाय करणाऱ्या धाबे, हॉटेल व पेट्रोलपंपावर स्वच्छतागृह व विशेष करून महिलांसाठी स्वच्छतागृह असणे बंधनकारक आहे. यापूर्वीही संघटनेच्या पाठपुराव्यानंतर जिल्हा प्रशासनाने मोहिम राबवली होती. आता पुन्हा नव्याने ही मोहीम राबवण्यात येणार असून मोहिमेला धाबे, हॉटेल व पेट्रोलपंपचालकांकडून सकारात्मक प्रतिसाद मिळण्याची अपेक्षा आहे.
- डॉ. जयंती अंबेगावकर

पाच महामार्गावर होणार तपासणी

...मागणीसाठी विविध सरकारी कर्मचारी संघटना एकत्र आल्या आहेत.

आमदार राजा सिंग ठाकूर यांच्यावर गुन्हा दाखल

राष्ट्रवादी काँग्रेसची जिल्हा पोलिस अधिक्षकांकडे मागणी

▸सकाळ वृत्तसेवा

लातूर, ता. २२ : हिंदू - मुस्लिम समाजात तेढ निर्माण करणाऱ्या भडकाऊ भाषण करणारे तेलंगानाचे आमदार राजा सिंग ठाकूर आणि त्यांना आमंत्रित करणाऱ्या आयोजकांवर गुन्हा दाखल करावेत

चौथा संसार 03

बुधवार 04 जनवरी 2023

सावित्रीबाई फुले की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

रतलाम, (निप्र)। भारतीय स्त्री शक्ति रतलाम द्वारा आज देश की प्रथम शिक्षिका क्रांतिवीर सावित्रीबाई फुले की जयंती पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर काटजू नगर रतलाम में बालिकाओं के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय स्त्री शक्ति की अध्यक्षा श्रीमती सविता तिवारी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की उप प्राचार्य प्रतिमा परिहार ने की। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.गीता दुबे ने अपने वक्तव्य में सावित्रीबाई फुले की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए यह बताया कि हमें देश की प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई फुले के जीवन से साहस, आत्मविश्वास और समाज के प्रति समर्पण की भावना सीखना चाहिये। सावित्रीबाई फुले ने बालिका शिक्षा के लिए लगातार संघर्ष किया और सामाजिक विरोध के बावजूद क्रांतिकारी कदम उठाकर देश ... भारतीय द्वारा पहला बालिका स्कूल जनवरी 1948 में खोला एवं स्वयं प्रथम शिक्षिका के रूप में पढ़ाने लगी।

सावित्रीबाई फुले केवल एक श्रे... शिक्षिका ही नहीं बल्कि वे साहित्यकार, प्रखर वक्ता, कुशल नेत्री भी थीं। उन... इस कार्य में अपने पति ज्योतिबा फुले का साथ लगातार मिला। कई बालिका स्कूल खोलने के साथ उन्होंने सामाजिक कुरीतियों एवं अंधविश्वासों जैसे बाल विवाह, विधवा महिलाओं के साथ होने वाला दुर्व्यवहार रोकने एवं विधवा पुनर्विवाह के लिए काफी प्रयास किए। सावित्रीबाई फुले ऐसी बहुआयामी व्यक्तित्व थी जिन्होंने वक्त के सांचे बदल कर महिलाओं के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक नई राह और एक नया विश्वास बनाया। कार्यक्रम में संगठन गीत श्रीमती दीपमाला सोलंकी ने एवं स्त्री शक्ति की रूपरेखा अध्यक्षा श्रीमती सविता तिवारी ने प्रस्तुत की। उप प्राचार्या श्रीमती प्रतिमा परिहार ने भी सावित्री बाई फुले के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रतिभा सोनटके ने एवं आभार वैदेही कोठारी ने माना। कार्यक्रम में संगठन की रेवती शर्मा, जयश्री शर्मा, वैशाली व्याघ्राम्बरे, डॉ.अनु... प्रीति शर्मा एवं बड़ी सं...

वैचारिक स्तर पर सशक्त होने की आवश्यकता है : डॉ. सविता

रत्नपुरी स्थित गार्डन में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाएं।

भास्कर संवाददाता | रतलाम

हमने सरकारी सुविधाओं को महिला सशक्तिकरण मान लिया है, बैसाखी के सहारे कोई कैसे दौड़ सकता है? महिलाओं को अपने भावनात्मक व वैचारिक स्तर पर सशक्त होने की आवश्यकता है। वे पुरुषों से प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से सशक्त नहीं हो सकती। हर महिला एक कुशल योद्धा है। परंतु दोहरी मानसिकता के कारण वे अपने को दोयम दर्जे का मानती है। यह बात जैन शीतल तीर्थ की अधिष्ठात्री डॉ. सविता जैन ने कही। रतलाम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भारतीय स्त्री शक्ति महिला सशक्तिकरण पर रत्नपुरी स्थित गार्डन में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. जैन ने महिलाओं से कहा कि रामायण, महाभारत काल की स्त्रियां भी दोयम दर्जे की नहीं थी। राम राज्य के समय कई रानी रथ चलाना तथा हथियार चलाना जानती थी तो फिर महिलाएं दोयम दर्जे की कैसे हुई। महिलाओं को चाहिए कि वे अपने बच्चों में संस्कारों का संवर्धन करें। शुभम शिशु विहार की संचालक रेखा त्रिवेदी, स्त्री शक्ति की प्रांतीय अध्यक्ष किरण शर्मा विशेष अतिथि रहीं। अध्यक्षता निर्मला उपाध्याय ने की। समाजसेवी दिव्या श्रीवास्तव को भी संस्था द्वारा उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। वैशाली व्याघ्रम्बरे, सारिका शर्मा, रतलाम शाखा अध्यक्ष सविता तिवारी, सुनंदा पंडित, मनीषा ठक्कर, वंदना पोरवाल, रश्मि व्यास सहित कई महिलाएं मौजूद रही।

19.12.2022 Jodhpur...

फिल्म हेलमेट ...ी होगी रिलीज

...त/जोधपुर। ...र जोधपुर स्थित गोपाल ... रविवार को आयोजित ...त कथा के दौरान कथावाचक रामस्नेही ...राम शास्त्री, पंडित ...वे, एडवोकेट संजीव ...ना सांखला व शैलेष ... द्वारा सुनील पुरोहित ... स्नेहा भंडारी निर्मातक ...त लघु फिल्म हेलमेट विमोचन किया। फिल्म ...र को प्रदर्शित की ... जिसकी अग्रिम ...ाएं प्रेषित की गई। कार्यक्रम में एडवोकेट ... पुरोहित, अंकित ...विनाश मुथा द्वारा सभी को हेलमेट पहनने की ...ाई।

सेवाकुंज छात्रावास में मनाया गया मरुधर नारी सशक्तिकरण का स्थापना दिवस

जोधपुर/नवज्योति। भारतीय स्त्री शक्ति से संलग्न मरुधर नारी सशक्तिकरण मनसा ने आज अपना स्थापना दिवस सेवाकुंज के छात्रावास की बालिकाओं के साथ मनाया। इस छात्रावास में राजस्थान के सीमा क्षेत्र में रहने वाली बालिकाएँ पढ़ती हैं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ.अनामिका पूनिया ने छात्राओं से बात करते हुए बताया कि बालिकाओं को अगर बराबर के अवसर मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में श्रेष्ठ कर सकती हैं। विशिष्ट अतिथि कर्नल मानद पार्वती जांगिड़ जो कि स्वयं सीमा क्षेत्र से आती हैं। वहाँ की परिस्थिति से सबको अवगत करवाया। सीमा क्षेत्र से छोटे छोटे गाँवों से निकलकर बालिकाएँ पढ़ने आती हैं ये अपने आप में प्रेरणा है। बालिकाओं ने गीत, कविता एवं मेहंदी प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंगमंच कलाकार नीतू परिहार, युवा समाजसेवी शिल्पा अग्रवाल, गार्गी गोयल, शीतल अग्रवाल एवं लायंस क्लब की अध्यक्ष उमा गर्ग प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ ममता सोनी ने मनसा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मनसा एक सामाजिक संगठन है जो समर्थ नारी सशक्त समाज के ध्येय को लेकर काम कर रहा है।

कार्यक्रम में मुंबई रेलवे विकास कारपोरेशन की स्वतंत्र निदेशक एवं मनसा की प्रदेश सचिव पुष्पा जांगिड एवं राजमाता कृष्ण कुमारी विद्यालय की प्राध्यापक एवं मनसा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रीति गोयल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन दिव्या भंडारी ने किया एवं गरिमा तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

भारतीय स्त्री शक्ति
नाशिक शाखा